मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

103 **303(HQ)**

2025
संस्कृत

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. अधोलिखित गद्य खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत में दीजिए : **5 × 2 = 10**

गते च तस्मिन् गन्धर्वराजपुत्री, विसृज्य सकलं सखीजनम् परिजनं च प्रासादम् आरोह। तत्र च शयनीये निपत्य एकाकिनी एव चिन्तयामास – "अहो ! किमिदम आरब्धं चपलया मया। न परीक्षिता अस्य चित्तवृत्तिः। परित्यक्तः कुलकन्यकानां क्रमः। गुरुजनात् न त्रस्तम्। लोकापवादात् नोद्विग्नम्। आसन्नवर्ती सखीजनोऽपि उपलक्षयतीति मन्दया मया न लक्षितम्। तथा महाश्वेतावृतिकरेण प्रतिज्ञा कृता शुचिव्रतं वृत्तान्तं किं वक्षयति अम्बा तातो वा ? किं करोमि ? केनोपायेन स्खलितमिदं प्रच्छादयामि ? पूर्वकृतापुण्यसंचयेनेवायम् आनीतो मम विप्रलम्भकः चन्द्रापीडः" इति संचिन्त्य गुर्वीम् लज्जाम् उवाह।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पुस्तक से लिया गया है ?

(ii) "आसन्नवर्ती, सखीजनोऽपि उपलक्षयतीति मन्दया न लक्षितम्।" रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iii) गन्धर्वराजपुत्री, विसृज्य सकल सखीजनं परिजनं च पुत्र आरोह ?

(iv) 'विप्रलम्भकः' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(v) 'शयनीये' में कौन सी विभक्ति है ?

अथवा

अथ गच्छता कालेन समुपजातशोकाभ्यां समुपजातहर्षेण दृष्टयान महता महोत्सवेन तां पञ्चमीमवस्थाम् उपगतायामप्यशेषेण तस्यां दृष्ट्वा च इदम् अन्यद्... एभिर्निमित्तैः प्रकृष्यमाणसाधिया समुचितेन उपचारेण मदलेखां प्रति जग्राह।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पुस्तक से लिया गया है ?

(ii) कः मदलेखां प्रति जग्राह ?

(iii) "अथ गच्छता कालेन समुपजातशोकाभ्यां समुपजातहर्षेण दृष्टयान महता" रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iv) अनिलागम का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(v) 'शोकाभ्याम्' यहाँ कौन सी विभक्ति एवं वचन है ?

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र-चित्रण कीजिए (अधिकतम 100 शब्द) : **4**

(i) पत्रलेखा

(ii) वैशम्पायन

(iii) महाश्वेता

3. बाणभट्ट के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनकी कृतियों की विवेचना कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) **4**

4. (अ) पत्रलेखा कौन थी ? **1**

(i) चन्द्रापीड

(ii) वैशम्पायन

(iii) तारापीड

(iv) चित्ररथ

(आ) महाश्वेतायाः माता का आसीत् ? **1**

(i) पत्रलेखा (ii) गौरी

(ii) मदिरा (iv) विलासवती

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(अ) एतावदुक्त्वा विरते मृगेन्द्रे प्रतिस्वनेनास्य गुहागतेन।
शिलोच्चयोऽपि क्षितिपालमुच्चैः प्रीत्या तमर्थमभिभाषतेव॥

(आ) पुरन्दरश्रीः पुरमुपताके प्रविश्य पौरैरभिनन्द्यमानः।
भुजे भुजगेन्द्रसमानाङ्गे भूयः स भूमेर्धुरमासज्ज॥

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(अ) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं, नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोः बहु हातुमिच्छन् विचारमूढः प्रतिभासि मे त्वम्॥

(आ) तस्मिन् क्षणे पालयितुः प्रजानाम् उत्पश्यतः सिंहनिपातमुग्रम्।
अवाङ्मुखस्योपरि पुष्पवृष्टिः पपात विद्याधरहस्तमुक्ता॥

7. कालिदास का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए कालिदास की काव्यशैली की विवेचना कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) **4**

8. (अ) महाराज-दिलीपस्य भार्या का ? **1**

(i) सुदक्षिणा (ii) भानुमती

(ii) इन्दुमती (iv) सविता

(आ) नन्दिनी कस्य धेनुः आसीत् ? **1**

(i) वशिष्ठस्य (ii) दिलीपस्य

(ii) विश्वामित्रस्य (iv) कण्वस्य

9. अधोलिखित में से किसी एक अंश की हिन्दी में सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(अ) उदगलित-दर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः।
अपसृत पाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः॥

(आ) शममेष्यति मम शोकः कथं नु वत्से त्वया रचितपूर्वम्।
उटजद्वारविरुढं नीवारबलिं विलोकयतः॥

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(i) स्नेहप्रवृत्तिरेवं दर्शिनी

(ii) गुर्वपि विरहदुःखमशाबन्धः साहयति।

(iii) अतिस्नेहः पापशङ्की

11. कालिदास की कृतियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का सारांश लिखिए : (अधिकतम 100 शब्द) **4**

12. (अ) कालिदास की रचना नहीं है : **1**

(i) स्वप्नवासवदत्तम् (ii) विक्रमोर्वशीयम्

(ii) मालविकाग्निमित्रम् (iv) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(आ) 'शिवास्ते पन्थानः सन्तु' इति शुभकामनां प्रकटितवान् । **1**

(i) काश्यपः (ii) मारीचः

(ii) गौतमी (iv) शिष्यः

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों का संस्कृत में निबन्ध लिखिए : **10**

(i) पर्यावरण-सुरक्षा (ii) श्रम एव विजयते

(ii) जनसंख्या समस्या (iv) यातायात-सुरक्षा

14. 'उपमा' अलंकार की परिभाषा हिन्दी या संस्कृत में लिखिए । **2**

अथवा

'रूपक' अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **2 × 4 = 8**

(i) हम दोनों खाना खाते हैं।

(ii) तुम लोग राम और श्याम पढ़ते हो ।

(iii) मोहन कुर्सी पर बैठता है।

(iv) विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं।

(v) वह बड़े भाई से ईर्ष्या करता है।

(vi) वह पिता से पढ़ता है।

16. (अ) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में नियम-निर्देश का उल्लेख कीजिए : **2**

(i) अहम् प्रयागराजे पठामि ।

(ii) सः सर्पात् बिभेति ।

(iii) वृक्षात् पत्रं पतति ।

(आ) रेखांकित पद में कौन सी विभक्ति है ? **1**

(i) चतुर्थी (ii) पञ्चमी

(ii) षष्ठी (iv) सप्तमी

17. (अ) निम्नलिखित पदों में से किसी एक में विग्रह कीजिए : **2**

(i) अनुज्येष्ठम्

(ii) द्वियमुनम्

(iii) रामसीते

(आ) 'नवरात्रम्' में प्रयुक्त समास है – **1**

(i) द्वन्द्व (ii) द्विगुः

(ii) अव्ययीभावः (iv) कर्मधारयः

18. (अ) 'गुरुर्धनम्' का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए । **2**

(आ) 'उड्डयनम्' का सन्धि-विच्छेद है : **1**

(i) उद् + डयनम् (ii) उद + डयनम्

(ii) उड्ड + डयनम् (iv) उत् + डयनम्

19. (अ) 'वारिणे' पद वारि प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है ? **2**

(आ) 'नामनी' पद नामन् प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है ? **1**

(i) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ii) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(iii) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(iv) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

20. (अ) 'नेष्यथः' क्रियापद का पुरुष और वचन लिखिए । **2**

(आ) 'नी' धातु के लङ् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप होगा : **1**

(i) अनयः (ii) अनयत्

(ii) अनयन् (iv) अनयम्

21. (अ) 'हात्वा' पद में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय बताइए । **2**

(आ) 'नी' धातु से तुमुन् प्रत्यय लगाने पर शब्द बनेगा – **1**

(i) नेतुम् (ii) नीतुम्

(ii) नयितव्यम् (iv) नीत्वा

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का वाच्य परिवर्तन कीजिए : **2**

(i) सः पुस्तकं पठति ।

(ii) रामः शेते ।

(iii) छात्राः हसन्ति ।

— समाप्त —